छह अंधे आदमी और हाथी

लिलियन क्विग्ली

चित्र : जेनिस हॉलैंड

पुरानी बात है भारत में छह अंधे आदमी रहते थे. उन्होंने हाथियों के बारे में सुना ज़रूर था, लेकिन अंधे होने के कारण उन्होंने कभी हाथियों को देखा नहीं था.

एक दिन वे राजा के महल में गए और उन्होंने एक हाथी को अपने हाथों से छूकर महसूस किया. हरेक को यकीन था कि उसने हाथी को ठीक-ठीक समझा था लेकिन वाकई में हाथी कैसा होता है वो उनमें से किसी को पता नहीं था.

छह अंधे आदमी और हाथी

लिलियन क्विग्ली

चित्र : जेनिस हॉलैंड

बहुत पहले भारत में छह अंधे एक साथ रहते थे. क्योंकि वे भारत में रहते थे, इसलिए उन्होंने हाथियों के बारे में सुना था. लेकिन अंधे होने के कारण उन्होंने हाथी कभी नहीं देखा था.

अंधे लोग के घर के पास ही राजा का महल था. राजा सभी लोगों का शासक था.
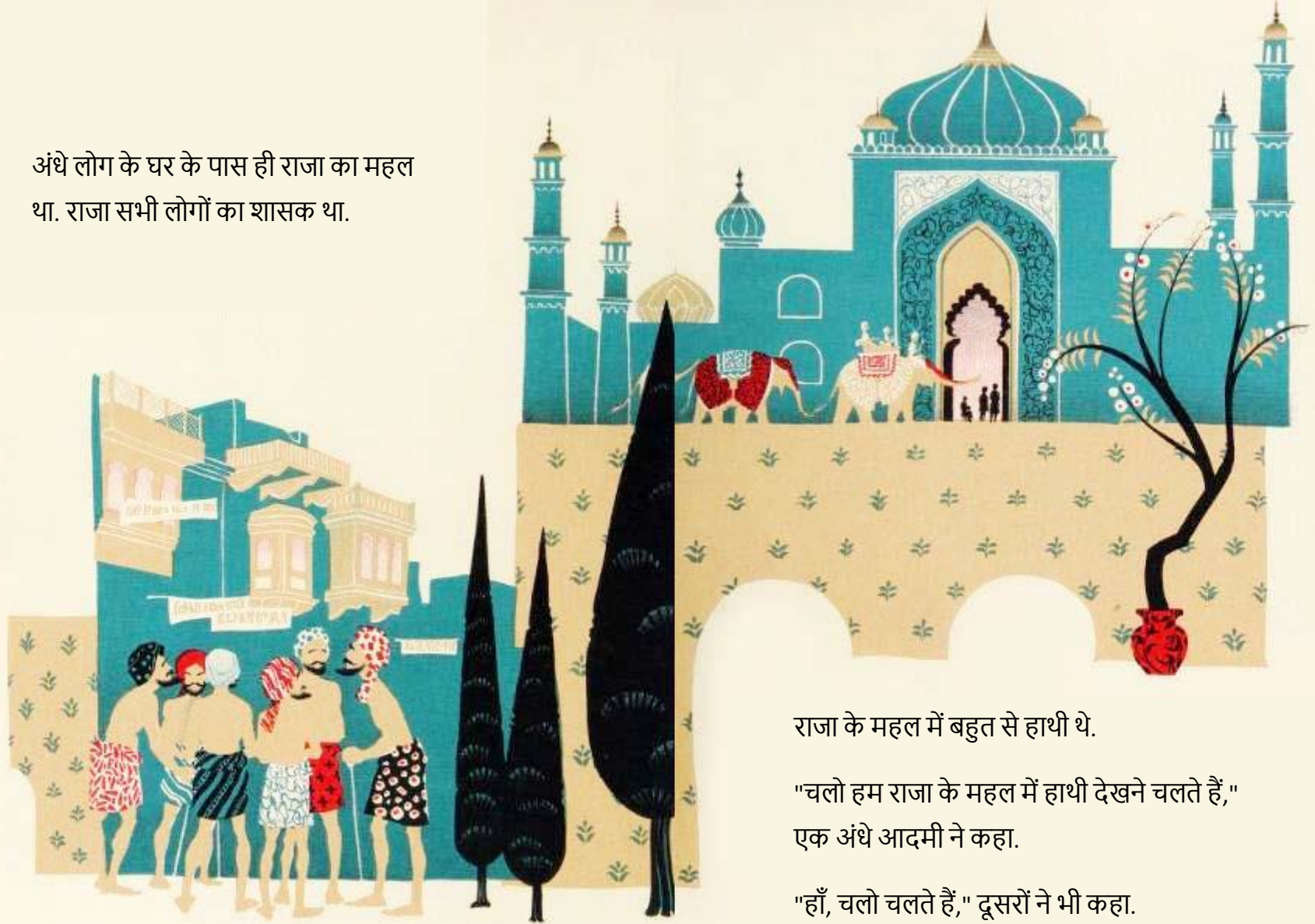
राजा के महल में बहुत से हाथी थे.

"चलो हम राजा के महल में हाथी देखने चलते हैं," एक अंधे आदमी ने कहा.

"हाँ, चलो चलते हैं," दूसरों ने भी कहा.

फिर एक गर्मी वाले दिन वे छह अंधे लोग महल में गए. वे एक के पीछे एक करके चले. सबसे छोटा अंधा उनका नेता बना.

दूसरे अंधे ने नेता के कंधे पर हाथ रखा. हर अंधे ने अपने सामने वाले के कंधे पर हाथ रखा.

उन छहों अंधों का एक मित्र उनसे महल में मिला.
पास के आंगन में ही एक हाथी खड़ा था.

फिर छहों अंधों ने हाथी को अपने हाथों से छुआ.

पहले अंधे ने हाथ बढ़ाकर हाथी की भुजा को छुआ.
"कितनी, चिकनी! हाथी एक दीवार की तरह होता है."

दूसरे अंधे ने हाथ बढ़ाकर हाथी की सूंड को छुआ.
"कितनी गोल! हाथी एक सांप के समान होता है."

तीसरे अंधे ने हाथ बढ़ाकर हाथी के दांत को छुआ.
"कितने नुकीले! हाथी भाले जैसा होता है."

चौथे अंधे ने हाथ बढ़ाकर हाथी के पैर को छुआ.
"कितना लंबा! हाथी किसी पेड़ जैसा है."

पांचवे अंधे ने हाथ बढ़ाकर हाथी के कान को छुआ.
"कितना चौड़ा! हाथी एक पंखे की तरह होता है."

छठे अंधे ने हाथ बढ़ाकर हाथी की पूंछ को छुआ.
"कितनी पतली! हाथी एक रस्सी की तरह होता है."

"आप यहाँ रुको, मैं आपके लिए पीने के लिए पानी लाता हूँ." फिर छहों अंधे एक बड़े पेड़ की छाया में बैठ गए.

"जब तक हम आराम नहीं करते तब तक हम धूप में बाहर नहीं जायेंगे," उन्होंने कहा.

बैठे-बैठे उन छह अंधे लोगों ने हाथी के बारे में बात की.

उन छहों अंधों का दोस्त उन्हें एक बगीचे में ले गया. छहों अंधे थके हुए थे. वो एक गर्म दिन था.
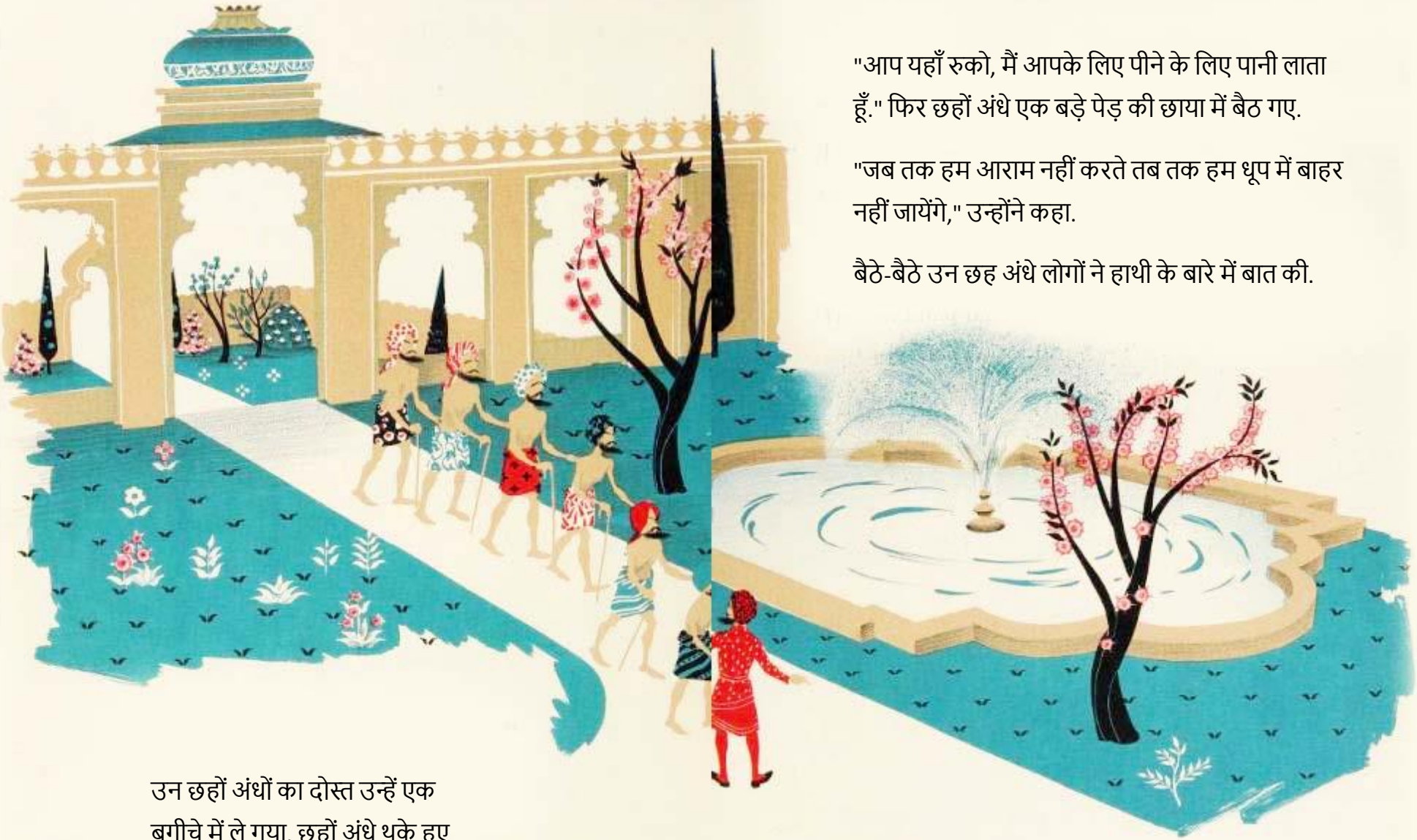
"हाथी एक दीवार की तरह है," पहले अंधे व्यक्ति ने कहा.

"एक दीवार," दूसरे अंधे व्यक्ति ने कहा. "तुम गलत हो.
हाथी एक सांप की तरह होता है."

"एक साँप?" तीसरे अंधे आदमी ने कहा.
"तुम गलत हो. हाथी एक भाले की तरह होता है."

"एक भाला?" चौथे अंधे आदमी ने कहा.
"तुम गलत हो. हाथी एक पेड़ की तरह होता है."

"एक पेड़?" पांचवें अंधे आदमी ने कहा.
"तुम गलत हो. हाथी एक पंखे की तरह होता है."

"पंखा?" छठे अंधे आदमी ने कहा.
"तुम गलत हो. हाथी एक रस्सी की तरह होता है."

हाथी कैसा होता है इस पर वे छह अंधे लोग सहमत नहीं हो सके. हर आदमी चिल्लाया.

"एक दीवार!"

"एक पेड़!"

"पंखा!"

"एक रस्सी!"

कुछ देर में उन अंधे आदमियों का दोस्त पानी लेकर वापस आया.

उसी समय उन लोगों के चिल्लाने से राजा जाग गया.

उसने बाहर देखा और अपने आंगन में नीचे छह अंधे लोगों को खड़े हुए देखा.

"रुको !" राजा ने उन्हें बुलाया.

छह अंधे लोगों ने एक-दूसरे पर चिल्लाना बंद किया.

वे जानते थे कि राजा एक बुद्धिमान व्यक्ति था.

उन्होंने उसकी बात सुनी.

राजा दयालु स्वर में बोला.

"हाथी एक बड़ा जानवर है.

प्रत्येक व्यक्ति ने उसके केवल एक भाग को ही छुआ है.

आपको हाथी के सभी भागों को एक साथ रखना होगा,
तभी आपको यह पता लगेगा कि हाथी कैसा होता है."

छह अंधे लोगों ने राजा की बात सुना.

छाया में आराम करते हुए उन्होंने ठंडा पानी पिया.

फिर वे आपस में चुपचाप बात करते रहे.
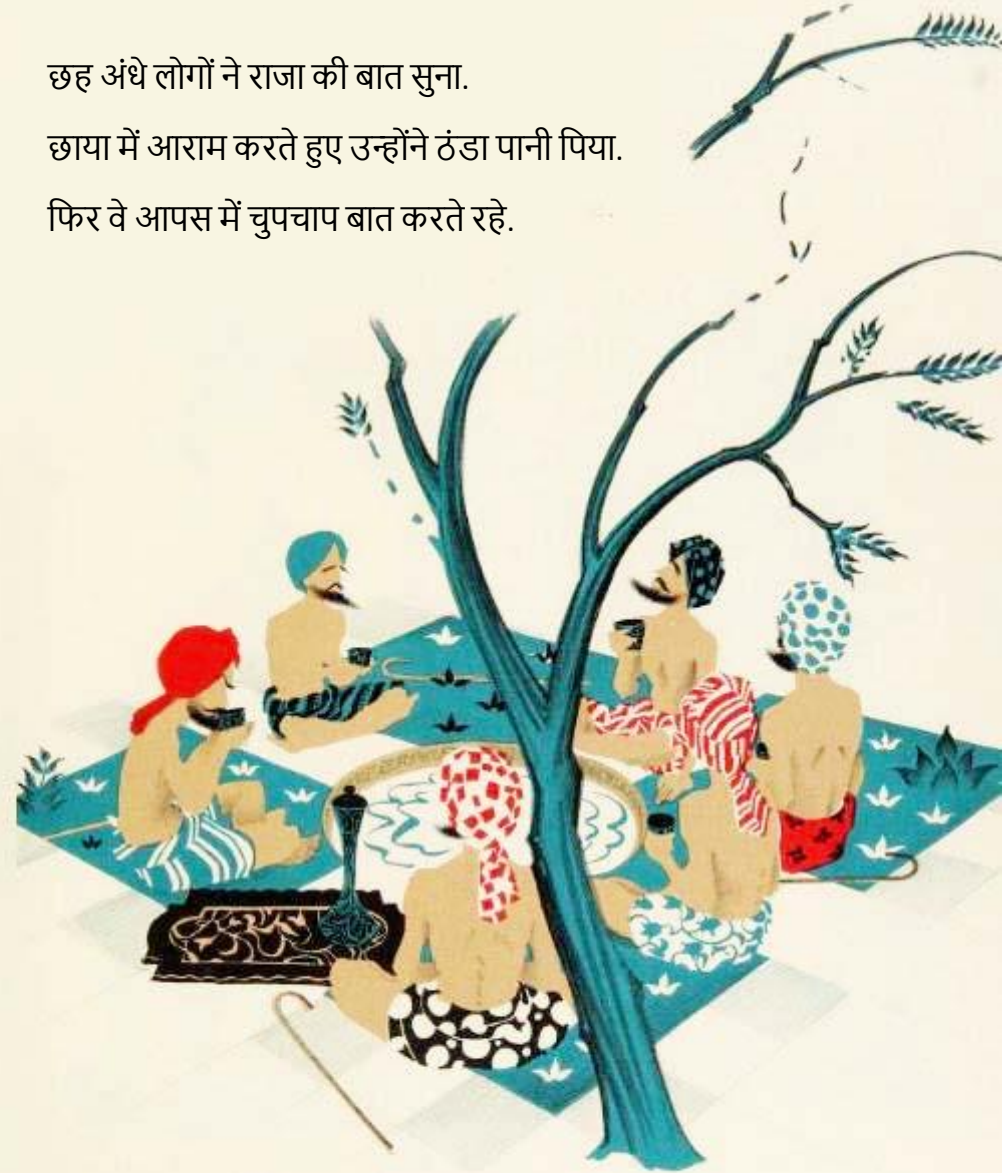
"राजा सही है."

"हम में से प्रत्येक आदमी हाथी का सिर्फ एक हिस्सा ही जानता है."

"पूरे हाथी का पता लगाने के लिए हमें उसके सभी भागों को एक साथ रखना होगा."
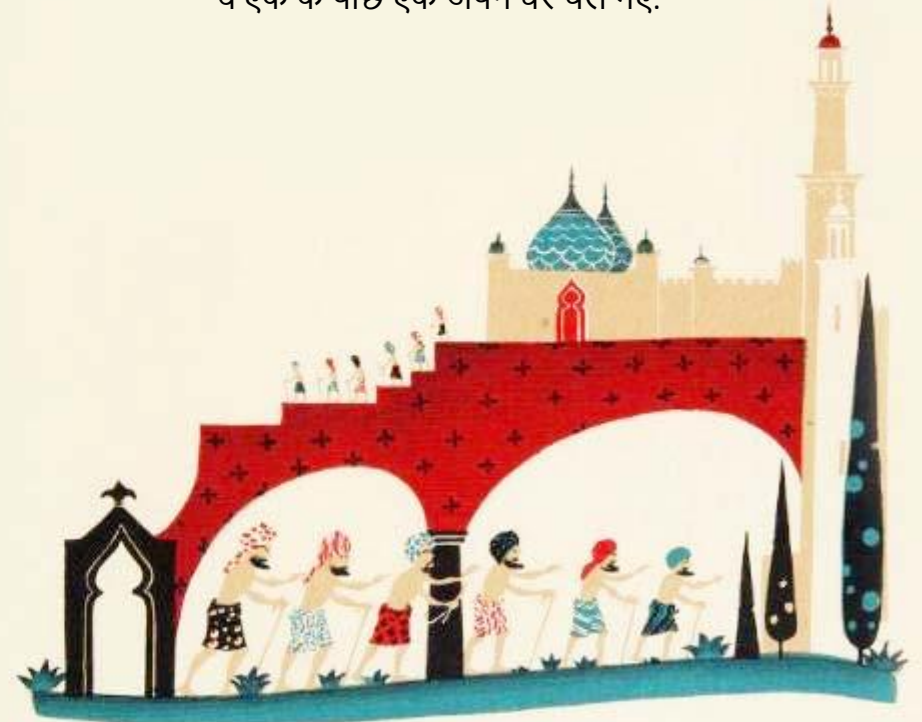
छह अंधे लोग आंगन से बाहर चले गए.

सबसे छोटे अंधे ने उन्हें रास्ता दिखाया.

दूसरे अंधे ने नेता के कंधे पर हाथ रखा.

हर अंधे ने सामने वाले के कंधे पर हाथ रखा.
वे एक के पीछे एक अपने घर चले गए.